VASANTA COLLEGE FOR WOMEN
वसंत महिला महाविद्यालय
Admitted to the Privileges of Banaras Hindu University
Krishnamurti Foundation India, Rajghat Fort, Varanasi - 221 001
अप्प दीपो भव
Estd: 1913
E-mail : vasantakfi@rediffmail.com
vcwkfi.rajghat@gmail.com
Tel. No.: +91-542-2441187, 2440408
Website : vasantakfi.ac.in

हिन्दी विभाग

एम0ए0 (हिन्दी)

एम0ए0 हिन्दी का पाठ्यक्रम जहाँ छात्रों को राष्ट्रभाषारूपी हिन्दी को वृहत्तर संदर्भ में अर्थात प्राचीन साहित्य से लेकर अधुनातन साहित्य के रूप में समझने में सहायक है वहीं भाषा एवं साहित्य के माध्यम से भारत के सामाजिकए सांस्कृतिक परिदृश्य के प्रति विशिष्ट समझ पैदा करता है।

हिन्दी के इतिहास की विकसनशील प्रवृत्ति को यह पाठ्यक्रम समझने में मदद करता है। विभिन्न कालों में विभाजित इसके वाद मसलन, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, कहानी, अकहानी आदि वादों के माध्यम से उक्त काल की विशिष्टता, चुनौतियाँ, ग्राम्य–नगर के वातावरण एवं उसका अंकन के साथ हिन्दी भाषा की अभिव्यक्ति, व्याकरण, परिवर्तन को समझने में एम0ए0 हिन्दी का पाठ्यक्रम मदद करता है।

पश्चिमी साहित्य के साथ भारतीय साहित्य की समझ पैदा करना, वैश्विक स्तर पर विभिन्न आंदोलनों की साहित्यिक समझ पैदा करने के साथ यह पाठ्यक्रम भारतीय भाषाओं में रचे जा रहे साहित्य के साथ तुलनात्मक समझा पैदा करता है।

हिन्दी के अनुप्रयुक्त भाषा–विज्ञान, पत्रकारिता, सिनेमा का अध्ययन हिन्दी भाषा साहित्य और हिन्दी समाज की वैश्विक समझा को बढ़ाता है।

हिन्दी साहित्य की विभिन्न विद्याएँ कहानी कविता, उपन्यास, निबंध, डायरी, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा–वृतांत जैसी शैली समाज और संस्कृति की सांस्कृतिक और संरचनात्मक समझ पैदा करते हैं। भाषा की चिंतन और साहित्य का आकलन छात्रों के मध्य सृजन की क्षमता को भी बढ़ाता है।

एम0ए0 (हिन्दी) प्रथम वर्ष

तीसरा प्रश्नपत्र–भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- किसी भी भाषा को समझने में भाषा विज्ञान की महत्ता को समझना
- भाषा के अवयवों को समझकर हिन्दी भाषा के विकास की समझ विकसित होना
- सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ में राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी भाषा और लिपि के विकास को समझने के साथ बहुभाषी समाज की चुनौतियों को समझना इस पाठ्यक्रम का प्रतिफलन है।

आठवाँ प्रश्न पत्र–अपभ्रंश (मूलभाषा)

- मूलभाषा के अध्ययन से छात्राएँ हिन्दी भाषा की विरासत से परिचित होती हैं।
- वर्तमान हिन्दी भाषा और साहित्य की प्रगति का रूपांकन एंतिहासिक भाषा के परिप्रेक्ष्य में समझने का अवसर प्राप्त होना।
- प्राचीन कवियों अर्थात् के कवियों को पढ़ हिन्दी के आधार को समझ सकने में सहायता मिलती है साथ ही ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी के विस्तार को समझने की दृष्टि मिलती है।

एम0ए0 (हिन्दी) द्वितीय वर्ष

ग्यारहवाँ प्रश्न पत्र–भारतीय काव्यशास्त्र

- भारतीय काव्यशास्त्र के माध्यम से काव्यशास्त्रीय चिंतन की समझ विकसित होती है।
- भाषा एवं साहित्य संबंधी विमर्श और चिंतन की भारतीय परंपरा को समझने से आधुनिक हिन्दी के विमर्श और पश्चिम के विमर्श की तुलनात्मक समझ का विकास होता है।
- छात्र भारतीय काव्यशास्त्र के माध्यम से ध्वनि, शब्द, उक्ति अलंकार, रस आदि का अध्ययन कर काव्यशास्त्रीय परंपरा को समझ सकते हैं।

चौदहवाँ प्रश्नपत्र–पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

- पाश्चात्य साहित्य–सिद्धांत का लक्ष्य छात्रों को न सिर्फ भारतीय सिद्धांत से अवगत कराना है बल्कि यह पश्चिम के साहित्य चिंतकों के माध्यम से साहित्य सिद्धांत के वैश्विक परिप्रेक्ष्य को समझने में सहायकता मिलती है।
- पश्चिम के साहित्य सिद्धांत की तुला पर छात्र भारतीय साहित्य–सिद्धांत का महत्व समझने में सक्षम होते हैं।

बरहवाँ प्रश्नपत्र–आधुनिक भारतीय इतिहास

- आधुनिक भारतीय साहित्य के माध्यम से छात्राएँ साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य को समझती है।
- हिन्दी भाषा के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य को समझने की दृष्टि का विकास होता है।
- इस प्रश्नपत्र से दृष्टि व्यापक और सामाजिक बनती है।

कार्यक्रम का विशिष्ट प्रतिफलन

एम0ए0 (हिन्दी) के पाठ्यक्रम से छात्राएँ अपनी हिन्दी विषयक अभिव्यक्ति को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत कर सकने में सक्षम होती हैं।

भाषा एवं साहित्य के माध्यम से मानव जीवन के उल्लास एवं दुःख को समझ सकने में छात्राएँ सक्षम होती है और मानवीय मन की संवेदना को बेहतर ढंग से अंकन कर उन्हें निरूपित कर सकने में यह पाठ्यक्रम उन्हें सहायता प्रदान करता हैं

यह कार्यक्रम छात्राओं को एक बेहतर अध्यापक, पत्रकार, अनुवादक, समीक्षक, साहित्कार के साथ प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक जगत में विशिष्ट संप्रेषक के रूप में स्थापित होने का अवसर प्रदान करता है।

Programme Outcome- स्नातक हिन्दी

कार्यक्रम प्रतिफलन

- हिन्दी भाषी समाज की भाषिक विरासत को समझने में स्नातक (हिन्दी) का पाठ्यक्रम विशेष रूप में प्रभावी है।
- काव्य की विविध धाराओं तथा विभिन्न आंदोलनों के माध्यम से हिन्दी के अखिल भारतीय स्वरूप को यह पाठ निर्देशित करता है।
- प्राचीन काव्यधारा के साथ आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल के समाज और संस्कृति को यह पाठ्यक्रम विश्लेषित करता है।
- राष्ट्रीय आंदोलन में कवियों, कथाकारों, पत्रकारों तथा विभिन्न साहित्यिक रूपों के योगदान पर यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से व्याख्यायित करता है।
- हिन्दी के अनुप्रयोग को भाषा और बोलियों के माध्यम से विभिन्न विद्याओं के रूप में कैसे प्रकाशित किया जाय–यह पाठ्यक्रम उक्त बिन्दुओं को प्रतिफलित करने में सहायक है।

- स्नातक स्तर पर हिन्दी भाषी समाज के चिंतन मनन, भाषा, बोली को यह पाठ विभिन्न स्तर पर तथा कालखंड के माध्यम से समझने में सहायक सिद्ध होता है और अखिल भारतीय हिन्दी समाज के भाषिक और साहित्यक चेतना को समझने का प्रयास करता है।

Course Outcome (पाठ्यक्रम प्रतिफलन) स्नातक–हिन्दी

स्नातक (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्र)

आधुनिक काव्य (भाग–1) पंचम प्रश्न पत्र

- हिन्दी के आधुनिक काव्यधारा छायावा' की विशिष्ट उपलब्यिों को समझने का प्रयास
- छायावाद के महत्वपूर्ण कवियों की प्रतिनिधि कविताओं के पाठ के माध्यम से राष्ट्र की भावधारा को समझने का प्रयास इस पत्र में हैं।
- इतिहास, संस्कृति और प्रकृति के समन्वय से राष्ट्रीय चिन्तन का प्रसार इस पाठा का प्रतिफलन है।
- छायावाद की कविताओं के माध्यम से भाषा और शिल्प के वैविध्य को समण् स्कने में यह पाठ मदद करता है।

आधुनिक काव्य – भाग–2 षष्ठ प्रश्न पत्र

- राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों की कविता को समझने में, काव्य चेतना की विकासमान अवस्था को आकलन कर सकने में यह पाठ विशिष्ट बोध स्थापित करता है।
- युगीन राष्ट्रीय संघष्र को समझने में माखनलाल चतुर्वेदी तथा रामधारी सिंह दिनकर की कविता छात्राओं के माध्य कवि, कविता और राष्ट्र के संघर्ष को स्थापित करती है।
- .प्रगतिशील तथा प्रयोगवादी कवियों की कविता के माध्यम से काव्य–चिंतन के विकासमान चिंतन और राष्ट्रीय प्रेरणा को यह काव्य समझााने का प्रयास करता है।
- भाषा, शिल्प, रूपक, बिंम्ब, शैली तथा अन्य काव्यात्क उपादान को समझा सकने में यह पाठ व्यापकता प्रदान करता है।

स्नातक (हिन्दी) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सत्र)

हिन्दी भाषा का इतिहास (सप्रम् प्रश्न पत्र) BAH-221

- हिन्दी भाषा के उद्भव एवं विकास संबंधी ज्ञान को यह पाठ्यक्रम बताता है।
- हिन्दी के भौगौलिक क्षेत्र तथा उसके विस्तार को यह पाठ व्याख्यायित करता है।
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति को तथा उसके नियम को बताने में यह पाठ सक्षमह ै।

- खड़ी बोली हिन्दी के विकास, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य को समझ सकने में इस पाठ से सहायता मिलती है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (अष्टम् प्रश्न पत्र) BAH-222

- हिन्दी साहित्य के विकास क्रम को समझने में यह सहायक है।
- विभिन्न कालों की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों के अवदान को यह पाठ्यक्रम विस्तार से निरूपित करता है।
- .आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि के क्रम में युगों के विभाजन के कारक तत्व को समझने में यह पाठ सहायक है।
- हिन्दी साहित्य की प्रमुख विद्याओं जैसे कहानी, उपन्यास, नाटक तथा निबंध विद्या के विकास के क्रम को छात्र इस पाठ से समझ सकते हैं।

प्रश्न पत्र–तेरह

विशेष अध्ययन (निर्गुण भक्ति काव्य 13 (स)–315 C

- यह पाठ्यक्रम प्राचीन साहित्य की ओर जानने और समझने को प्रेरित करता है।
- संतों के योगदान से हिन्दी काव्य धारा की दिशा और स्वरूप को समझने में इससे सहायता मिलती है।
- भक्ति आंदोलनों में संतो ंके महत्व के साथ संत साहित्य के वैचारिक आधार, दार्शनिक आधार और संत साहित्य की सामाजिक भूमिका को समझाने में यह पाठ उपयोगी है।
- नाथपंथ एवं निर्गण भक्त कवियों की भक्ति, जीवन, काव्य संसार और उनकी सामाजिक चेतना को समझने में पाठ सहायक है।

Programme Specific Outcome

(कार्यक्रम का विशिष्ट प्रतिफलन)

- बी0ए0 (हिन्दी) के पाठ्यक्रम से छात्राएँ भाषा और साहित्य के साथ विरासत को समझ सकने में सक्षम होती है।
- भाषा के निर्माण और विकास के माध्यम से छात्राएँ सांस्कृतिक और सामाजिक विशिष्टताओं को समझ सकने में सफल होती हैं।
- देश की स्वतंत्रता में हिन्दी भाषा के कवियों के योगदान उनके सृजनात्मक संघर्ष को समझ सकने में सक्षम होती हैं तथा देश के प्रति अनुराग को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित होती है।
- यह कार्यक्रम न सिर्फ साहित्यिक समझ पैदा करता है बल्कि साहित्य के माध्यम से देश के प्रति अनुराग और मानवीय करूणा का विकास करता है।

- भाषाई रूप से सबल, साहित्यिक संवेदना को विकसित कर यह पाठ छात्राओं को रोजगार के अवसर के साथ विश्व नागरिक के रूप में पैदा करता है।

स्नातक पंचम सत्र

एकादश प्रश्न पत्र रीतिकाव्य

- साहित्य की विविध धाराओं में महत्वपूर्ण रीतिकाव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों को समझना
- रीतिकाव्य की युगीन परिस्थितियों और उसके मध्य काव्य के विकास को समझना
- रीति कविता की श्रृंगारिक विशिष्ठता और रचना विधान को समझ सकना
- रीति कवियों की संवेदना, भाषा और शिल्प कला को व्यापक परिदृश्य में समझ सकना।

द्वादश प्रश्न पत्र भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा विज्ञान की प्रारंभिक अवधारणाओं को समझने में सक्षम होना
- भाषा विज्ञान के अध्ययन पद्धतियों को समझ में समर्थ होना
- हिन्दी की ध्वनियों से परिचय और वर्गीकरण में सक्षम होना
- हिन्दी शब्द संपदा के आलों में शब्द कोटियों, व्याकरणिक कोटियों को समझना
- राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिन्दी, लिपि के मानकीकरण को समझना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

स्नातक

हिन्दी भाषा (अनिवार्य) पंचम सत्र

तृतीय वर्ष (पंचम पत्र)

- हिन्दी के महत्वपूर्ण उपन्याससे परिचय करवाना
- उपन्यास सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ में समझ सकने की कला का विकास
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की संक्षिप्त रूपरेखा के माध्यम से हिन्दी के काल–विभाजन, रचित साहित्य के माध्यम से हिन्दी समाज और साहित्य से परिचित करवाना।

षष्ठ सत्र–प्रतिनिधि हिन्दी काव्य (छठा प्रश्न पत्र)

- भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की काव्यधारा से परिचित करवाना
- कविता के पाठ के साथ सृजन प्रक्रिया और सामाजिक सरोकार को समझ सकना
- हिन्दी कविता के विशाल परिदृश्य से समझ सकना।

स्नातक प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम	कोर्स कोड	पाठ्यक्रम प्रतिफल
रीतिकाव्य–प्रथम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र	BAH-112	1.छात्राओं को रीतिकाव्य से परिचित कराना 2.छात्राओं को रीतिकाव्य के महत्व और सार्थकता को बताना 3.व्यावहारिक जीवन में रीतिकाव्य के विषय वस्तु को किस प्रकार समझा जाये इससे परिचित कराना
निबन्ध एवं नाटक–द्वितीय सेमेस्टर	BAH-122	1.निबन्ध क्या है और इसका महत्व क्या है इसको बताना 2.छात्राओं में निबन्ध लेखन के कौशल को विकसित करना 3.नाटक विद्या को समझाना और अभिनय एवं मंच के कला से अवगत कराना 4.मंच से जुड़ने को प्रेरित करना
क्हानी एवं हिन्दी व्याकरण–अनिवार्य हिन्दी–प्रथम सेमेस्टर	BAHL-111	1.छात्राओं को कहानी की परिभाषा एवं महत्व से अवगत कराना 2.छात्राओं को कहानी पढ़ने को प्रेरित करना 3.हिन्दी शुद्ध लेखन की विधियों से अवगत कराना 4.हिन्दी व्याकरण के पर्यायवाची विलोम आदि से अवगत कराना
उपन्यास एवं रचनात्मक लेखन–अनिवार्य हिन्दी–द्वितीय सेमेस्टर	BAHL-121	

परास्नातक प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम	कोर्स कोड	पाठ्यक्रम प्रतिफल
हिन्दी निबन्ध एवं नाटक–प्रथम सेमेस्टर		1.छात्राओं को निबन्ध की परिभाषा, तत्व एवं लेखन की विधियों से अवगत कराना 2.वैचारिक उन्नयन में निबन्ध के महत्व को बताना 3.कव्येतर गद्य विधाओं से परिचित कराना 4.नाटक एवं रंगमंच के प्रति छात्राओं में रूझान पैदा करना 5.अभिनय एवं मंच की दुनियां से परिचित कराना 6.नाटक पढ़ने एवं उसकी समीक्षा की दृष्टि छात्राओं में पैदा करना।
कथा साहित्य–द्वितीय सेमेस्टर		1.कहानी एवं उपन्यास से परिचित कराना 2.कहानी एवं उपन्यास पढ़ने की रूचि पैदा करना 3.कहानी एवं उपन्यास के मूल्यांकन की विधि से अवगत कराना 4. जीवन में कहानी एवं उपन्यास के महत्व से अवगत कराना 5.कथा–साहित्य लेखन के प्रति छात्राओं में रूझान पैदा करना
आदिकाल एवं निर्गुण काव्य–द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष		1.हिन्दी साहित्य के आरम्भिक स्वरूप से परिचित कराना 2.संत साहित्य के व्यापक स्वरूप से अवगत कराना 3.वर्तमान समय में संत साहित्य एवं सूफी साहित्य के अवदान से परिचित कराना 4.संत साहित्य के व्यापक लोक आन्दोलन से अवगत कराना
रीतिकाव्य धारा–द्वितीय वर्ष–चतुर्थ सेमेस्टर		1.रीतिकाव्य की विशेषताओं से परिचित कराना 2.हिन्दी साहित्य में रीति कविताओं के देन को बताना

		3.वर्तमान समय में रीतिकालीन कविताओं की उपयोगिता से परिचित कराना। 4.रीतिकालीन कवियों के काव्यशास्त्रिमय अवदान से परिचित कराना। 5.रीतिकालीन कविताओं ने कैसे अपने समय को प्रभावित कराया इससे परिचित कराना।

स्नातक तृतीय वर्ष

पाठ्यक्रम	कोर्स कोड	पाठ्यक्रम प्रतिफल
भाषा–विज्ञान–पंचम सेमेस्टर		1.भाषा के महत्व को समझाना 2.भाषा को कैसे परिमार्जित किया जाये इससे अवगत कराना 3.हिन्दी व्याकरण से परिचित कराना 4.राष्ट्रभाषा, राजभाषा के महत्व को बताना 5.लिपि के महत्व को बताना
आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य–पंचम सेमेस्टर		1.हिन्दी के आरम्भिक स्वरूप से परिचय कराना 2.संत कवियों के अमूल्य योगदान से अवगत कराना 3.वर्तमान समय में संतकाव्य के प्रासंगिकता को बताना 4.अपने व्यावहारिक जीवन में संत कवियों के वाणियों को कैसे सार्थक बनाये इससे परिचित कराया
आधुनिक काव्य स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कविता–षष्ठम् सेमेस्टर		1.आजादी के बाद हिन्दी कविता आन्दोलन से छात्राओं को परिचित कराना 2.छात्राओं में कविता लेखन और पाठ की विधियों से अवगत कराना 3.समाज में कविता कैसे अपना योगदान देती है उससे छात्राओं को परिचित कराना 4.वर्तमान समय में हिन्दी कविता के स्वरूप और बदलाव की ओर छात्राओं का ध्यान आकर्षित करना